हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 5 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

31 जुलाई तक निजी नलकूप खनन प्रतिबंधित

मण्डला। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा 31 जुलाई 2024 तक निजी तथा अशासकीय नलकूप खनन प्रतिबंधित कर दिया गया है। जारी आदेश में मण्डला जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रत्येक राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को ऐसी बोरिंग मशीनों जो अवैध रूप से जिले में प्रतिबंधित स्थानों पर प्रवेश करेंगी अथवा नलकूप खनन, बोरिंग का प्रयास कर रही मशीनों को जप्त कर पुलिस में एफ.आई.आर. दर्ज कराने का अधिकार होगा। आदेश में समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को उनके क्षेत्रान्तर्गत इस निमित्त अपरिहार्य प्रकरणों के लिए व अन्य प्रयोजनों हेतु उचित जांच के पश्चात अनुज्ञा देने हेतु प्राधिकृत किया गया है।

ग्रीष्म ऋतु के मौसम में धूप की तपन लू से रहें सावधान

मण्डला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.सी. सरोते ने बताया कि वर्तमान में ग्रीष्म ऋतु के दौरान बढ़ती धूप की तपन, लू से सावधानी एवं शरीर को मौसमी बीमारी से बचाव हेतु आमजन को कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। घर से बाहर निकलने से पहले भरपेट पानी अवश्य पियें, धूप में जाते समय सूती कपडे.पहनें और सिर और कान को सूती कपडे.से ढक्कर रखें। धूप में घूमने वाले व्यक्ति नमक शक्करयुक्त कोई तरल पदार्थ या ओ.आर.एस. घोल का अधिक सेवन करें। नीबूपानी, केरी का पना, शिकंजी या मठा अधिक से अधिक पिएं, भरपेट भोजन करके ही बाहर निकलें, हमेशा ताजा भोजन, फल और सब्जियाँ खायें। यथासंभव धूप में अधिक न निकलें। धूप में खाली पेट न निकलें शरीर में पानी की कमी न होने दें, बुखार में शरीर का तापमान न बढ़ने दें, ठंडे पानी की पट्टी रखें, कूलर या कंडीशनर से धूप में एकदम न निकलें, मिर्च मसालेयुक्त भोजन न करें, बासी भोजन न खायें। व्यक्ति को फौरन छायादार जगह में लेटायें, ढीले कपडे.पहनें, पेय पदार्थ जीवन रक्षक घोल ओ.आर.एस., कच्चे आम का पना पिलायें एवं ताप घटाने के लिये व्यक्ति के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रखें एवं नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार लें।

सम्पूर्ण नर्मदा परिक्रमा के बराबर पुण्य देती है उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा

व्यास नारायण मंदिर से प्रारंभ हुई यात्रा

*** महाराष्ट्र की गणना पद्धती में 15 दिनों का अंतर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

नर्मदा नगरी मंडला में उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा विगत चार वर्ष से दो चरणों में की जा रही है। महिष्मति मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति के तत्वावधान में उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा का दूसरा चरण 04 मई की प्रातः 5.30 बजे मंडला नगर के व्यास नारायण मंदिर में परिक्रमा के लिए संकल्प पूजन प्रारंभ किया गया। करीब 6.30 बजे तक संकल्प पूजन किया गया। इसके बाद उत्तरवाहिनी परिक्रमा प्रारंभ की गई। दो दिवसीय इस नर्मदा परिक्रमा यात्रा में शामिल कुछ श्रद्धालुओं ने किलाघाट से मां नर्मदा को नाव से पार कर और कुछ परिक्रमावासी झूला पुल से होते हुए पुरवा महाराजपुर पहुंचे। महाराजपुर संगम से होते हुए घाघी के लिए नर्मदा परिक्रमा पदयात्रा प्रारंभ की गई।

जानकारी अनुसार मंडला में मां नर्मदा के दक्षिण तट में संगम घाट से घाघी तक या उत्तर तट के अनुसार किले घाट से बबैहा तक करीब 21 किमी तक का प्रवाह उत्तर दिशा की ओर है और चैत्र मास में की गई उत्तरवाहिनी नर्मदा की परिक्रमा को शास्त्रों में संपूर्ण नर्मदा की परिक्रमा के बराबर पुण्यदायक बताया गया है। इसी को देखते हुए समिति द्वारा विगत चार वर्ष से उत्तरवाहिनी परिक्रमा का आयोजन कर रही है। बताया गया कि इस बार की परिक्रमा का आयोजन खासतौर पर महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के लिए हुआ है। उनकी गणना पद्धति और हमारी गणना पद्धति में 15 दिनों का अंतर है इसलिए उनके अनुसार चैत्र मास अभी चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार आयोजित परिक्रमा में स्थानीय सहित देश भर के करीब 550 से अधिक श्रद्धालु परिक्रमा में शामिल हुए हैं।

व्यास नारायण मंदिर से प्रारंभ हुई परिक्रमा

शनिवार 04 मई को उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा यात्रा के लिए व्यास नारायण मंदिर किलाघाट में सुबह 5.30 बजे श्रद्धालु एकत्रीत हुए, जहां संकल्प पूजन कराया गया। सतखंडा घाट महाआरती से तट परिवर्तन सुबह करीब 6.30 बजे कराया गया। संगमघाट महाराजपुर में 7.30 बजे स्वल्पाहार के बाद यात्रा आगे बढ़ी। इसके बाद दादा धनीराम आश्रम में अल्पाहार परिक्रमावासियों को कराया गया। जिसके बाद यात्रा को आगे बढ़ाते हुए कारीकोन तिराहा से होते हुए घाघा मार्ग में आगे बढ़ी। नर्मदा परिक्रमा में शामिल श्रृद्धालुओं के लिए मानादेई आश्रम में ठंडा पेयजल की व्यवस्था की गई। यात्रा के अगले चरण में सिलपुरा में कोठी घाट आश्रम में दोपहर 12 बजे भोजन प्रसादी यात्रा में शामिल सभी परिक्रमावासियों को कराया गया। यहां से आगे बढ़ते हुए यात्रा घाघा हाईस्कूल प्रांगण में पहुंचेंगी। जहां मां नर्मदा संध्या आरती भजन कीर्तन रात्रि विश्राम किया जाएगा। इसके बाद 05 मई की सुबह 5 30 बजे घाघा से स्नान पूजन के बाद तट परिवर्तन किया जाएगा। जहां ग्वारी माध्यमिक शाला में बाल भोग स्वल्पाहार के बाद यात्रा प्रारम्भ होगी। यात्रा का फूलसागर तिराहा में स्वागत किया जाएगा। इसके बाद तिंदनी में फल वितरण होगा। यात्रा के अगले पड़ाव में दोपहर करीब 12 बजे से राजपूत ढाबा कटरा में भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है, जहां सभी उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमावासी रूकेंगे। यहां से करीब 03 बजे मंडला नगर भ्रमण करते हुए श्री व्यास नारायण राजराजेश्वरी मंदिर में जलाभिषेक किया जाएगा। प्रसाद वितरण के साथ परिक्रमा पूर्ण होगी।

तीन स्थान पर ही उत्तरवाहिनी है नर्मदा

आयोजन समिति ने यात्रा के संदर्भ में बताया कि मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक से खंबात की खाड़ी तक मां नर्मदा का प्रवाह कभी उत्तर और कभी दक्षिण दिशा की ओर है। अमरकंटक से खंबात की खाड़ी तक के पूरे नर्मदा क्षेत्र में तीन स्थान ऐसे हैं। जहां मां नर्मदा उत्तरवाहिनी हुई हैं। इनमें से एक गुजरात में तिलकवाड़ा, दूसरा मंडला और तीसरा ओंकारेश्वर के पास का स्थान है। गुजरात के तिलकवाड़ा में उत्तरवाहिनी परिक्रमा वर्षो से की जा रही है।

परिक्रमावासियों के लिए तुसली काढ़ा की व्यवस्था

बताया गया कि माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा के दूसरे चरण में भी जिले समेत प्रदेश और अन्य प्रदेशों के भक्तों का हुजूम रहा। दूसरे चरण की नर्मदा परिक्रमा में महाराष्ट्र के अधिकत्तर नर्मदा भक्त परिक्रमा करने पहुंचे। माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा पथ में परिक्रमा के प्रथम दिन महाराजपुर तीर्थ क्षेत्र त्रिवेणी संगम स्थल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाराजपुर शाखा द्वारा परिक्रमा वासियों के लिए तुलसी काढ़ा, चाय, बिस्किट की व्यवस्था की गई।

सिलपुरा के कोटी घाट में भोज की व्यवस्था

मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा के प्रथम दिन परिक्रम पथ मार्ग में भक्तों द्वारा परिक्रमावासियों के लिए जगह-जगह स्वल्पाहार और भोज की व्यवस्था की गई। इसी के अंतर्गत ग्राम सिलपुरा के कोटी घाट में भी उत्तरवाहिनी परिक्रमवासियों के लिए दोपहर के भोज की व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही जिन श्रृद्धालुओं का एकादशी व्रत था, उनके लिए फलाहार के साथ परिक्रमा में शामिल सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। आयोजित उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में करीब 600 श्रृद्धालुओं की सहभागिता है। माँ नर्मदा की इस परिक्रमा में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है। इस परिक्रमा में व्यवस्था की देखरेख आयोजन समिति के सदस्य राकेश शुक्ला, आनंद सोनी, सुधीर कांसकार, लालाराम, श्याम श्रीवास के साथ उनकी पूरी टीम की रही। इतने बड़े सफल आयोजन के लिए सभी ने आभार व्यक्त किया है।

मादा चीतल का मिला शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/अंजनिया

दिनांक दो मई को वन परिक्षेत्र गढ़ी अंतर्गत आने वाले बीट आमाटोला के वनरक्षक हरिलाल धुर्वे जो कि गश्ती दल के साथ आरक्षित वन कक्ष क्रमांक 111 में वन गश्ती कर रहे थे, गश्ती के दौरान वनग्राम जाराटोला के समीपस्थ भोरमदेव सर्रा नाला के किनारे दुर्गन्ध आने पर पड़ताल की गई तत्पश्चात एक मादा चीतल का शव सूखे पत्ते से ढका हुआ देखा गया। मृत चीतल की सूचना वनरक्षक आमाटोला के द्वारा वरिष्ठ अधिकारी को दी गई, घटना स्थल के आस-पास उक्त चीतल की मौत का कारण हासिल करने के उद्देश्य से सूक्ष्मता से तथ्यों की तलाशी की जाने के दौरान एक सफेद रंग के थैले के अंदर लोहे की छुरी 02 नग जो कि हरे पत्तों से ढकी हुई पाई गई। संदेह के आधार पर 02 व्यक्ति जिनमें से क्रमशः तिहारी वल्द पवनसिंह तेकाम उम्र 40 वर्ष तथा जयन्तलाल वल्द पहारी धुर्वे उम्र 39 वर्ष ग्राम जाराटोला से पूछताछ करने पर उन्होने मृत चीतल के शव को घसीटकर नाले के अंदर सूखे पत्ते से ढककर छुपाना तथा एक राय होकर मांस खाने के उद्देश्य से काटने के लिए जयन्तलाल के घर से लोहे की छुरी 02 नग मौके पर लाकर छुपाना कबूल किया है। बाद विधिवत कार्यवाही कर आरोपीगण को माननीय न्यायालय प्रथम श्रेणी बैहर के समक्ष पेश कर उपजेल बैहर भेजा गाय। एस के सिंह, क्षेत्र संचालक, सुश्री अमिथा के बी उपसंचालक बफर एवं अजय ठाकुर सहा संचालक के कुशल मार्गदर्शन में गुरूदयाल साहू परिक्षेत्र अधिकारी गढ़ी, कैलाश बामनिया परिक्षेत्र अधिकारी भैसानघाट, श्रीमति गुनन मरावी परिक्षेत्र सहायक गढी, सुशील कुमार अग्निहोत्री वनरक्षक खिरसाड़ी एवं हरिलाल धुर्वे वनरक्षक आमाटोला द्वारा उक्त कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

तीरंदाजी अकादमी जबलपुर में प्रवेश के लिए प्रतिभा चयन कार्यक्रम.....

मण्डला। खेल और युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेष द्वारा संचालित म.प्र. राज्य तीरंदाजी अकादमी जबलपुर द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए तीरंदाजी की विभिन्न विधाओं में बालक/बालिकाओं के लिए प्रतिभा चयन क्रार्यक्रम 11 एवं 12 मई 2024 को प्रातः 09 बजे से सायं 05 बजे तक रानीताल स्पोर्ट्स काम्पलेक्स जबलपुर में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतिभा चयन कार्यक्रम में जिले के बालक/बालिका खिलाड़ी भाग ले सकते है। प्रतिभा चयन के समय बालिक/बालिकाओं को आयु, मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र एवं आधार कार्ड लेकर जाना अनिवार्य है। चयन से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त करने हेतु श्री रिचपाल सिंह सलारिया, मुख्य तकनीकी सलाहकार सह प्रषिक्षक मो.न. 7875543884, श्री अषोक कुमार यादव, तीरंदाजी प्रषिक्षक मो.न. 7860292736 एवं सुश्री रष्मि सिंह, तीरंदाजी प्रषिक्षक मो.न. 7544009240 पर सम्पर्क के साथ-साथ कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी इण्डोर स्टेडियम मण्डला से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय मण्डला में रक्तदान शिविर कार्यक्रम सम्पन्न

मण्डला। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मान0 एस0के0 जोशी के निर्देशन में एवं प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डला के मार्गदर्शन में ब्लड बैंको में खून की कमी के कारण जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त नहीं मिल पाने की परिस्थितियों पर विचार करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय, मण्डला द्वारा 04 मई 2024 को समय 10.30 बजे से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय मण्डला में रक्तदान शिविर का आयोजन माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय द्वारा रिबिन कटिंग की जाकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। उक्त रक्तदान शिविर में कार्यालय प्रमुख असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री आशीष आनंद पाण्डे द्वारा रक्तदान किया जाकर रक्तदान कार्यक्रम का आरंभ किया गया, उसके पश्चात न्यायालयीन कर्मचारीगणों सहित कुल 09 व्यक्तियों द्वारा बारी-बारी से रक्तदान कार्यक्रम में हिस्सा लिया गया। प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डला ने आमजनों को रक्तदान के लिए जागरूक करते हुए बताया कि यह कार्यक्रम म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार म0प्र0 में ब्लड बैंकों में रक्त की कर्मी को दृष्टिगत रखते किया गया ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त मिल सके। उन्होंने रक्तदान की आवश्यकता के संबंध में बताते हुए लोगों से अनुरोध किया कि वे स्वयं एवं अपने निकट संबंधियों को रक्तदान हेतु प्रोत्साहित करे ताकि आवश्यकता होने पर किसी भी मरीज को रक्त उपलब्ध हो सके।

बम्हनी कॉलेज में अग्निवीर योजना की दी गई जानकारी

बम्हनीबंजर। शासकीय कला महाविद्यालय बम्हनी बंजर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा क्रीड़ा विभाग के द्वारा अग्निवीर योजना जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत डॉ.विवेक कुमार जायसवाल क्रीड़ा अधिकारी ने अग्निवीर योजना के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उद्देश्य के बारे में बताया। डॉ.श्रीमति कुन्ती वराठे ने छात्र/छात्राओं को अग्निवीर चयन प्रक्रिया की जानकारी दी कौन-कौन सी अर्हताएं अर्जित करनी पडेगी, भर्ती प्रक्रिया कैसी होगी की संपूर्ण जानकारी प्रदान की। एन.एस.एस.अधिकारी डॉ.के.पी.चन्द्रौल ने बताया की भारतीय सरकार ने तीनों नौसेना की भर्ती के लिये अग्निवीर योजना का प्रारंभ किया है इस भर्ती प्रक्रिया में छात्र/छात्राएं अपनी योग्यता के अनुरुप चयनित होकर महाविद्यालय को गौरवान्वित करेगें। इस हेतु छात्रों को सेना में भर्ती होने के लिये प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ.श्रीमति करुणा नेमा ने कहा कि अग्निवीर केन्द्र सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है जिसमें विद्यार्थी भारतीय सेनाओं में अपनी भागीदारी बढा सकेगें तथा देश की सेवा में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभा सकेंगे। इस कार्यक्रम में श्री एस.पी.झारिया डॉ.रियंका पटैल, डॉ.रंजीत कुमार भालेकर, डॉ.मनीष कुमार लाजेवार एवं छात्र/छात्राये उपस्थित रहे।

विरासत | जल संरक्षण को लेकर उन्नत तकनीक जानते थे लोग।

उन्नत शाली रही है गौड़ परम्परा

*** राजा ने यहां पर की थी बीहर माता देवी की स्थापना।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले में गोंड वंश कालीन से गोड शासक अनेक जल संरक्षण के लिए अनेक कुएं तालाब बावड़ी झिरिया का उन्होंने निर्माण किया जिसका उदाहरण झिरिया सुभरिया का बना हुआ बावड़ी है यह दो मंजिल इमारत पर बना हुआ एक सुंदर मंदिर नमूने की आकृति दिया हुआ बावड़ी है जिसमें पूरे 12 माह पानी रहता है स्थानी लोगों का कथन के अनुसार जब एक बार तीन वर्षों तक पानी नहीं गिरने के कारण अकाल पड़ा था तब राजा ने यहां पर आकर बीहर माता देवी का स्थापना किया था। उस वर्ष बहुत पानी गिरा उसी के नाम से यह बावड़ी बनाई गई जो आज भी यहां 12 महीने जल रहता है मछली एवं कछुए पाले गए हुए हैं स्थानिक ग्रामवासी यहां पर बीहर माता की पूजा करते हैं अपने शुभ काम को शुभारंभ करते हैं नवरात्रि के समय बड़ी तादाद में दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग यहां पर आकर अपनी मन्नत मानते हैं तथा पूजा अर्चना करते हैं यह मंडला से मात्र 25 किलोमीटर दूर पिणरई रोड पर स्थित है।

पिछले वर्ष जिला प्रशासन के द्वारा जिले में जल सर क्षण की दृष्टि से मनरेगा की तहत इस बावड़ी का जीर्णोद्धार मनरेगा के माध्यम से इसको सुधार कार कराया गया था जो एक पर्यटन के दृष्टि से इस ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा की गई जिसे आज लोग देख कर खुश होते हैं आज आवश्यक है सुधार कार्य करने की रंग पेनट करने की जिसे ग्रामपंचायत के माध्यम से किया जा सकता हैं आर के छतरी पर्यावरण विद नेअवगत कराया कि शीघ्र ही कलेक्टर से चर्चा कर पुरातत्व विभाग के द्वारा जिले की ऐतिहासिक विरासत कई स्थानों पर बिखरी हुई है जिसे एक संग्रह करके एक फोल्डर बनाई जाए ताकि जनमानस को जानकारी पुराने इतिहास की जानकारी आने वाली पीडी को हो सके।

अंजनिया में किसान जला रहे नरवाई, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/अंजनिया

प्रतिबंध के बाद भी जिले के अलावा ग्रामीण क्षेत्रो में किसानो के द्वारा धड़ल्ले से नरवाई जलाई जा रही है जिसमें प्रशासन के द्वारा कार्रवाई नहीं करने से किसानों के द्वारा नरवाई जलाना बंद नहीं किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक नरवाई में आग लगाए जाने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत संबंधितों पर कार्यवाही का प्रावधान है 1 इसके लिए किसानों पर जुर्मानें के लिए ढाई हजार से लेकर 15000 तक का नियम कृषि विभाग के द्वारा बनाया गया है 1 वही देखा जाए तो ये नरवाई जलाने से धुँआ निकलता है जिससे वायुमंडल में प्रादूषण होता है। नरवाई में आग से भूमि में रहने वाले लाभकारी बैक्टीरिया सूक्ष्म जीव जलकर नष्ट हो जाते हैं। खेतो की मिट्टी कड़क हो जाती, जिससे उपजाऊ क्षमता कम हो जाती है। नरवाई जलाने से ग्लोवल वार्मिंग में असर पड़ता है जो यह वायुमंडल के लिए खतरनाक है। वही किसान नरवाई जलाने की जगह यदि स्ट्रारीपर यंत्र का उपयोग करे तों ज्यादा वेहतर है इस यंत्र से नरवाई से भूसा तैयार किया जा सकता है। इससे भूसे की मात्रा बढ़ेगी। अब देखना है कि नरवाई जला रहे किसानों पर प्रसाशन क्या कुछ कार्यवाही करता है।

खबर संक्षेप

अपने स्वार्थों को पूर्ण करने के लिये पेड़ों को किया जा रहा बदहाल

गाडरवारा। शहर की सड़कों के किनारे और व्यस्ततम माने जाने वाले इलाको में विभिन्न संस्थाओं ने पूर्व वर्षो में जो वृक्ष लगवाये थे वे भले छाया देने की स्थिति में आ गए है, किन्तु प्रशासन की अनदेखी से इन वृक्षो को प्रचार प्रसार का माध्यम बनाने का सिलसिला चल रहा है। बताया जाता है कि शहर की सड़कों के किनारे सीना तान खड़े वृक्षो पर कीलें ठोंकरकर बड़े पोस्टर, बैनर, प्लेक्स लगाकर वृक्षो को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। हरेभरे वृक्षो का उपयोग विज्ञापन वोर्डो के रूप में करने का विरोध करते हए शहरवासियो का कहना है कि भारतीय संस्कृति में वृक्षो को देवता माना गया है, वृक्ष सजीव होते है, उन पर कीलें, ठोंकना, व्यापारिक स्वार्थ के लिए उनका उपयोग करना उचित नहीं है। वृक्षों पर पोस्टर, बैनर लगाने से शहर का सौंदर्यीकरण जहां प्रभावित होता है, वही बारिश के दिनों में ऑधी, पानी से भी वृक्षो में लगे बड़े बड़े पोस्टर, बैनर दुर्घटनाओं का सबब भी बन सकतें है तथा स्कूली बच्चो के लिए भी ये खतरनाक साबित हों सकतें है? शहरवासियो ने नपा. से गुहार लगायी है कि जनहित में नगर के वृक्षो में लगे बैनर, पोस्टर हटवाये जाए, साथ ही मनचाहे ढंग से कही भी होर्डिग्ज लगाने पर प्रतिबंध लगाया जाए।

शासकीय भवनों की दुर्दशा से हैरत का माहौल

सांईखेड़ा। देश भर में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, किंतु हकीकत यह है कि इन दिनों शहर की स्वच्छता का मामला खतरे में पड़ा हुआ जान पड़ रहा है? यदि गौर किया जावे तो शासन के निर्देशानुसार शासकीय शालाओं की पुताई, मरम्मत की जानी थी, उसकी तरफ शिक्षा विभाग के जिम्मेदारो ने अभी तक ध्यान नहीं दिया है साथ ही नगर में जो शासकीय भवन है उनके आस-पास गंदगी व्याप्त होने से लग रहा है कि शायद स्वच्छता अभियान शायद प्रशासन द्वारा पूरे प्लान से नही चलाया जा रहा है? विदित हो कि शासकीय भवनों के ईर्द गिर्द फैली गंदगी से नगर में हैरत का माहौल देखने में आ रहा है, जागरूक नागरिको का कहना है कि जो प्रशासन शासकीय भवनो की शोभा नही बढा पा रहा है, उससे समूचे नगर का स्वच्छ बनाने की उम्मीद कैसे की जा सकती है, उल्लेखनीय है कि वर्तमान में नगर के प्रमुख माने जाने वाले तालाब, जनपद कार्यालय क्षेत्र, तहसीलदार कार्यालय भवन के पास अधिकतर शासकीय शालाओं के भवनो के परिसरो में बिखरी गंदगी स्वच्छता अभियान की पोल खोल रही है और लोगों का मानना है कि चल रहे बारिश का मौसम इन भवनो को गंदगीमुक्त नही किए गए तो नगर में बीमारी फैलने से कोई नही रोक सकता है।

सालीचौका रेल्वे गेट पर आये दिन लग रहा जाम, स्कूली बच्चों सहित आमजन हो रहे परेशान

सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में संचालित हो रही शुगर मिलों को गन्ना ले जाने वाले ट्रेक्टरा सहित अन्य वाहनों की धमाचौकड़ी के चलते रेल्वे गेट पर आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होते हुए देखी जा रही है, जिसके चलते जहां स्कूली छात्र छात्राओं को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर तो होना ही पड़ रहा है साथ ही साथ स्थिति उस समय भयानक तब हो जाती है, जब काफी समय तक रेल्वे गेट बंद होने के कारण जब दोनों तरफ वाहनों की लम्बी लाईने लग जाती और गेट खुलता है तो लोग अपने वाहनों को जल्द निकलने के चक्कर में अंदर घुसा देते है इस स्थिति में साईकिलों से स्कूल जाने वाली छात्राओं को परेशान होना पड़ता है, इस दौरान अनेक मनचलों द्वारा उनके साथ अशोभनिय हरकते करते हुए भी देखा जाता है? मगर इसके बाद भी देखा जाता है कि रेल्वे गेट से चंद कदम दूरी पर स्थित पुलिस चौकी के अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि स्कूली छात्राएं परेशान होते हुए मुश्किलों के बीच से निकलने के लिए मजबूर देखी जा रही है।

कहीं ऐसा तो नहीं की सरकारी धन की होली की गुलाल का सभी के माथे पर रंगत चढ़ने के कारण साधी जा रही है चुप्पी..?

देवरी पंचायत में 24 लाख की लागत से बनाये गये अमृत सरोवर तालाब निर्माण के नाम पर हुई गफलबाजी की सच्चाई उजागर होने के बाद जांच न होने से बड़े अधिकारियों की भूमिका पर खड़े हो रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सरकार द्वारा पंचायतों के विकास को लेकर जिस तरह से सरकारी धन खर्च किया जा रहा है उसके चलते यदि उस धन को अधिकारियों के द्वारा मात्र 75 प्रतिशत भी निष्ठा के साथ विकास कार्यो में लगाया जावे तो गांवों की सूरत बदलने में देर नही लगेगी। मगर जब जिम्मेदार अधिकारी ही पंचायतों में होने वाली गफलत बाजी में अपनी भागेदारी करने लगेगे तो फिर विकास कार्यो की कल्पना करना कहा तक संभव हो सकता है? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पंचायतों के विकास कार्य वहां के सरपंच सचिवों के माध्यम से कराये जाते है। मगर उन पर नजर रखने के लिये जहां जनपद स्तर से इंजीनियर होते है तो दूसरी ओर ब्लाक से लेकर जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा उन विकास कार्यो का समय समय पर पहुंचकर निरीक्षण करते हुये गुणवत्ता पर पैनी नजर रखने की जिम्मेदारी होती है। यदि इसके बाद भी किसी विकास कार्य में गुणवत्ता को दर किनार किया जाता है तो यह बात अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पाती है कि इस गफलबाजी में जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों की मिली भगत का परिणाम है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी ग्राम पिपरिया छीर टोला में एक साल पहले महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के तहत अमृत सरोबर तालाब में देखने मिलने से नही चूक पा रही है। हमारे भारत वर्ष द्वारा बीते हुये देश की आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष मनाते हुये ग्रामीण क्षेत्रों के जल स्तर पर सुधार लाने के साथ साथ गर्मी के दिनों में मूक पशुओं को पीने का पानी उपलब्ध कराने की सोच के चलते चिन्हित की गई पंचायतों के लिये अमृत सरोबर तालाब के लिये राशि स्वीकृत की गई थी। सरकार की सोच थी कि इन तालाबों के निर्माण से जहां गांवों में जमीन के नीचे के जल स्तर में सुधार देखने मिलेगा वही दूसरी ओर मवेशियों के लिये पीने का पानी उपलब्ध हो जावेगा। मगर इन अमृत सरोबारों के निर्माण के नाम पर पंचायतों द्वारा सरकारी धन की होली किस तरह खेली गई इस सच्चाई को चीचली जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी की ग्राम पिपरिया छीर टोला में देखने मिल रही है जहा पर पंचायत द्वारा 24 लाख 84 हजार रूपया की राशि खर्च करते हुये बनाये गये इस अमृत सरोबर तालाब में इस समय एक बूंद पानी नजर आने की बात तो दूर सरकारी धन को खर्च करते हुये तालाब के लिये निर्धारित की भूमि क्षेत्र के अंदर पुराने पेड़ निर्माण के नाम पर पंचायत द्वारा की गई खुदाई की सच्चाई को अपने आप ही उजागर करते हुये देखे ज रहे है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगर योजना के तहत म.प्र. शासन द्वारा वर्ष 2022-2023 के तहत स्वीकृत किया गया था। वही दूसरी ओर कार्य की प्राक्कलित राशि 24 लाख 84 हजार थी। वही कार्य शुभारंभ की तिथि 11 मई 2022 थी तथा कार्य पूर्ण होने की तिथि का मौके पर मौजूद वोर्ड में उल्लेख ही नही किया गया है। वही इस अमृत सरोबर तालाब के निर्माण में श्रम व सामग्री घटक 12 लाख 95 हजार तथा सामग्री 12 लाख 3 हजार खर्च होना दर्ज किया गया है। वही तालाब निर्माण में कर्यान्वयन एजेन्सी ग्राम पंचायत देवरी पंचाय सचिव तथा अन्य मद के रूप मे 15 वाँ वित्त की राशि 2 लाख 61 हजार रूपया खर्च होने का उल्लेख किया गया है। इस तरह पंचायत द्वारा बनाये गये तालाब की सच्चाई को अगर मौके पर देखी जावे तो जहां खुदाई की हाल इस तरह से दिखाई दे रही है कि पूर्व में यहां पर बने हुये खेतों की मेडे जहां स्पष्ट रूप से नजर आने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर यहां पर पहले से खड़े हुये पेडो के ठूट निर्माण कार्य में हुई गफलत बाजी का आईना दिखाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? इतना ही नही ग्रामीणों के कहना है यहां पर पहले से जंगली नाला निकला हुआ था और आस पास में झुर्रईयाँ थी उन्ही के बीचों बीच मात्र सीमेन्ट की दीवार बनाते हुये इस तालाब का निर्माण किय गया है। वही तालाब निर्माण के दौरान पंचायत द्वारा बनाई गई दीवार भी अपना पहला जन्म दिन मनाने के पूर्व ही जिस तरह टूटते हुये देखी जा रही है वह संपूर्ण कार्य की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रह है? वही दूसरी ओर एक ओर से निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा तालाब के किनारे को पाटने के लिये कुछ पत्थर जरूर लगाये गये है। मगर यदि उन पत्थरों की सच्चाई देखी जावे तो यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि यह पत्थर निश्चित तौर से जंगल की भूमि से वन विभाग की मिलीभगत के चलते अवैध खनन किया गया होगा? क्योंकि किसी भी संस्था को वन विभाग की भूमि से इस तरह पत्थर उठान की अनुमति तो होती नही है फिर भी जंगल क्षेत्र मे पैदा होने वाले यह पत्थर इस तालाब के निर्माण में उपयोग होना वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका को भी सबालों के घेरे में लेने से नह चूक रहे है? इस तरह जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी के ग्राम पिपरिया छीर खेडा में पंचायत द्वारा सरकारी धन 24 लाख से भी अधिक की राशि खर्च करते हुये बनाये गये अमृत सरोबर तालाब में चल रहे गर्मी के मौसम में एक बूंद पानी नजर नही आ रहा है। इस तरह लाखों की लागत से बनाया गया यह तालाब कागजों में तो अमृत सरोबर दिखाई दे रहा है मगर मौके पर देखा जावे तो तालाब की जगह आज भी पहले की तरह तालाब निर्माण स्थल की भूमि पर पेड़ के ठूट नजर आने से नही चूक रहे है? इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा अपने 21 फरवरी 2024 के अंक में प्रमुखता से उजागर किये जाने के बाद दो माह का समय बीते जाने के बाद भी किसी अधिकारी द्वारा जांच के नाम पर मौके पर पहुंचकर उसका अवलोकन करना तक उचित नही समझे जाने से जहां बडे अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है..., वही दूसरी अमृत सरोबार निर्माण में हुई गफलत बाजी के चलते जिम्मेदारों की चुप्पी से यह प्रतीत होते हुये जान पड़ रहा है कि कही ऐसा तो नही कि सरकारी धन की होली की गुलाल की रंगत अधिकारियों के ऊपर भी चढ़ चुकी है? वही दूसरी ओर तालाब निर्माण की गुणवत्ता को लेकर पंचायत स्तर से लेकर जनपद व जिला स्तर के अधिकारियों की भूमिका को सबालो के घेरे में लाने से नही चूक रही है? सही मायने में देखा जावे तो मौके पर जहां तालाब का स्वरूप ही दिखाई नही दे रहा है। मगर इसके बाद भी सरकारी रिकार्ड में इस अमृत सरोबर में भरे हुये पानी में अधिकारी गोता लगाने से नही चूक रहे है? क्योंकि जब सरकारी धन राशि को खर्च करते हुये पंचायत द्वारा कोई निर्माण कार्य किया जाता है तो उसकी देखरेख जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा की जाती है। जब इन अधिकारियों द्वारा अपनी ओर से संतुष्टि प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है तभी उस कार्य को पूर्ण माना जाता है? मगर पता नही 24 लाख से भी अधिक राशि से बने हुये इस तालाब को लेकर जिम्मेदार अधिारियों द्वारा अपनी ओर किस तरह का निरीक्षण किया गया होगा जिसके चलते बगैर पानी के तालाब में ग्रामीणजन गोते लगाने से नही चूक रहे है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पंचायत द्वारा बनाये गये इस तालाब की जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा निष्ठा के साथ जांच की गई तो निश्चित तौर से पंचायत स्तर से लेकर जनपद व जिला स्तर के अधिकारी बेनकाब होने से नही चूक पायेगे..? वही दूसरी ओर अमृत सरोबर निर्माण की सच्चाई जानने के लिये जब पंचायत स्तर के कर्मचारियों से चर्चा की गई तो अपना नाम उजागर न करने की सर्त पर उनके द्वारा खुले शब्दों में यह कहने से नही चूक रहे है कि हमारे द्वारा जो तालाब बनाये गये है वह बडे अधिकारियों की देख रेख में ही बनाया गया है? यदि कोई गड़बडी निकलती है तो हम अकेले ने थोडी खाये है सबकी सोंझ.... बराबर की है।

गुरुकृपा के बिना जीवन अधूराः स्वामी इंद्रदेव सरस्वती महाराज

नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की.., कथा आयोजन के दौरान कृष्ण जन्म पर झूमकर नाचे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के शनि मंदिर के पास एनटीपीसी आडिटोरियम के सामने चल रहे सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के आयोजन में जहां दिन प्रतिदिन धर्म प्रेमी श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ती जा रही है तो दूसरी ओर महिलाओं में जिस तरह का उत्साह देखने मिल रहा है उसके चलते आयोजन स्थल पूर्ण रूप से गोकुल धाम का रूप लेते हुये देखा जा रहा है। इसी के चलते कथा के चौथें दिवस भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के दौरान जहां भक्तजन नंद के आनंद भव जय कन्हैया लाल के संगीत पर नृत्य करते हुये देखे गये। इस तरह शनिवार को कथा के चौथे दिन आरती के बाद कथा वाचक महामंडलेश्वर स्वामी इंद्रदेव सरस्वती महाराज ने गुरु की महिमा का वर्णन सुनाते हुये कहा कि हमारा जीवन गुरु के बिना अधूरा होता है, जिसके जीवन मे गुरु कृपा नही है उसका जीवन असफल ही माना जाता है। यह बात जरूरी है कि हर व्यक्ति को जन्म देने वाले माता पिता होते है मगर हर व्यक्ति की जिन्दगी संभालने वाला गुरू होता है। इसलिये गुरु की महिमा को जानना दुर्लभ है। इस दौरान उन्होंने कहा कि साधु एवं गुरु के चरणों मे ही सभी धाम हैं। वही भागवत कथा के अमृत से जीवन का उद्धार हो जाता है, इस कलयुग में जिसने भागवत कथा का आनंद नही लिया तो उसका जीवन असफल माना जाता है। श्रद्धा से आत्मा को परमात्मा का अंश बताते हुए उन्होने कहा कि व्यक्ति के मरने के बाद आत्मा शरीर से निकलकर भगवान के पास चली जाती है। उस दौरान उसके साथ कुछ नही जाता है जाते है तो सिर्फ उसके अच्छे कर्म और ईश्वर से जोडी गई आराधना ही मानव की नैया को भव सागर पार कराती है। वही कथा वाचक महाराज जी ने नर्मदा जी का वर्णन सुनाते हये कहा कि नर्मदा नदी पवित्र नदी है नदियों में सिर्फ नर्मदा जी की ही परिक्रमा की जाती है । आप लोग बडे ही सौभाग्य शाली हो जिन्होंने माँ नर्मदाजी के क्षेत्र यानि की उनकी गोद में जन्म लेने के साथ उनके दर्शन करने का पुण्य अर्जित कर रहे हो। माँ नर्मदा पापहरनी है जिसके दर्शन मात्र से व्यक्तियों के सारे कष्ट एवं दुःख दूर हो जाते हैं। इस कलयुग काल में अनेक प्रकार की इस तरह की चीजे देखने मिलेगी जिनकी कल्पना नही की गई होगी। अभी इतना भयानक कलयुग आ गया है कि रसोई में भोजन पकाने में भी स्वच्छता का ध्यान नही रखा जा रहा है इसीलिए हम जैसा अन्न खाएंगे वैसा ही हमारा मन रहेगा। नगर के नामदेव परिवार द्वारा आयोजित किये जा रहे श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में चौथे दिन शनिवार को महाराज इंद्रदेव (मथुरा) ने कहा कि प्रेम भगवान की उपासना का नाम है। इसे जो जान लिया, वह सब को जान लिया। इंसान अगर चाहे तो भगवान को कितना भी समय दे सकता है, पर वे खुद ही नास्तिकता पैदा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं मेरा प्रेम केवल भगवान से रहेगा। जो सब छोड़कर भगवान का हो जाता है, उसे सब मिल जाता है। जो थोड़ा- थोड़ा सब से प्रेम करता है, उसे सब नहीं मिलता, न ही प्रेम। क्योंकि प्रेम में भी एकाग्रता होना चाहिए।अगर आप थोड़ा उससे प्यार करोगे और थोड़ा किसी और से तो किसी एक को भी पता चलेगा तो आग लग जाएगी। कई से करेंगे तो प्यार (प्रेम) भी दुखदाई है। इसलिए तुलसीदास ने बार-बार कहा है रामहु केवल प्रेम पियारा। तुलसीदास कहते हैं हम तो लिख कर चले जाएंगे दुनिया छोड़कर। जिसको जानना है वह जान जाए। तुलसीदास को घर से निकाल दिया था। लेकिन उन्हें राम के प्रेम पर अटूट विश्वास था। सो अपना जीवन सफल कर गए। कभी-कभी घर वालों का अपमान भी काम आता है। कथा के दौरान महाराज ने कहा आदमी को अनुकूल-प्रतिकूल स्थिति समझ में आ जाए तो वह कितने भी प्रतिकूल स्थिति में हो, अनुकूल स्थिति उत्पन्न कर लेता है। यह सब ज्ञान के माध्यम से हो सकता है। जैसे हम फटे हुए दूध को भी ज्ञान के जरिए पनीर बना सकते हैं। अनुभव और ज्ञान हो तो सब अच्छा है। भगवान राम को कैकयी माता के वचन अनुसार वनवास मिलता है। उनके जीवन में कई प्रतिकूलता आ जाती है। फिर भी राम ने उसे अनुकूलता से जिया। उनके साथ लक्ष्मण और सीता भी अनुकूल होकर चलते रहे। निराश नहीं हुए। इस तरह कथा के चौथें दिवस भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बडे ही धूमधाम के साथ मनाया गया।

घर बनाने के लिये उखाड़ फेंका मुख्य सड़क किनारे लगा हुआ सरकारी हेंड पंप

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को पीने के पानी की जरूरत पूरी करने के लिये जहां तहां सरकारी नलों की स्थापना करते हुये हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च करने से नही चूक रही है। मगर जहां पुराने हेण्ड पंप लगे हुये उनकी अनदेखी का परिणाम है कि लोगों द्वारा उन्हें उखाड़कर अपने मकान बनाने से नही चूक रहे है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 6 अग्रसेन वार्ड के बंजारी मर्ग पर देखने मिल रही है जहां पर कुछ लोगों द्वारा अपना निजी आवास बनाने के लिये राज्य स्तरतीय मार्ग के किनारे वर्षो पुराने सरकारी हेण्ड पंप को उखाड़ते हुये मकान बनाने की तैयारी कर डाली है। बताया जाता है कि गाडरवारा से रायसेन जिले को जोड़ने वाल मुख्य मार्ग यानि की स्टैट हाईवे क्रमांक 44 किनारे वर्षो पहले सरकारी हेण्ड पंप की आमजन को पीने का पानी उपलब्ध कराने की सोच के चलते स्थापना की गई थी। मगर यहां पर कुछ लोगों द्वारा अपना आवास का निर्माण करने के लिये हेण्ड पर को उखाडते हुये जेबीसी मशीन के माध्यम से उस जगह को समतल कराते हुये भवन निर्माण की तैयारी कर डाली है। इस तरह सरकारी हेण्ड पंप को उखाडे जाने के बाद भी संबंधित विभाग के अधिकारियों की चुप्पी सबालों को जन्म देने से नही चूक रही है? क्योंकि यह हेण्ड पंप जहां राज्य स्तरीय मार्ग के किनारे स्थापित होने के साथ नगर परिषद क्षेत्र की सीमा में आता है। इसके बाद भी हेण्ड पंप को उखाड़ने के साथ यहां की भूमि पर मशीन चलती रही और अधिकारियों द्वारा ध्यान देना तक उचित नही समझा गया। इस संबंध में जब स्थानीय मुख्य नगर पालिका अधिकारी डाक्टर साहू से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यह मामला अभी ही मेरे संज्ञान में आया है हम दिखबा कर कार्यवाही करते है? अब देखना होगी कि सरकारी राशि से स्थापित हुआ यह हेण्ड पंप पुनः जीवत हो पाता है कि अधिकारियों की जनदेखी के चलते इसी तरह मृत अवस्था में पहुंचने के बाद उसका अंतिम संस्कार होकर रहेगा यह तो आने वाला समय ही बतायेगा।

म.प्र.शासन का लेख कराते हुए बगैर परमिट दौड़ रहे चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। आबादी के बढ़ते दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है, कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराय से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरा सर परिवहन नियमों की अवहेलना है? मगर अक्सर देखा जाता है कि शासकीय कार्यालयों में लगे हुए अनेक वाहनों में म.प्र. शासन का लेख कराते हुए उन्हें किराय के रूप में खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उठाई जा रही है? एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व को भी हानी पहुंच रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप, मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनो दिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली। शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित कर रहा है।

पुलिस की संपत्ति को पहुंच रही क्षति, पुलिस बनी है बेखबर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर लोगों द्वारा पुलिस ने अपनी संपत्ति की रक्षा करने के लिए उम्मीद की जाती है? मगर जब पुलिस स्वयं की संपत्ति की रक्षा करने में असफल जान पड़ रही है तो दूसरो की संपत्ति की रक्षा करने की उम्मीद मात्र कल्पना की समान ही जान पड़ते हुए देखी जा रही है? अपनी संपत्ति से बेखबर पुलिस की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन द्वारा पुलिस को नगर में शांति व्यवस्थ बनाने के लिए वाहन से लेकर हथियार व शस्त्रों से लेकर बेरीकेट व अन्य साधन दिये जाते है जिनका वह समय समय पर उपयोग करते हुए आम लोगों को सुविधाएं प्रदान करती है? मगर इस समय नगर में देखे जा रहे है कि पुलिस को प्रदान किये गये बेरी केटों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह जहां तहां पड़े हुए होने के कारण लोगों द्वारा उन्हें तोड़ते हुए क्षति पहुंचाई जा रही है? इतना नही नही पुलिस थाने को मिले हुए इन बेरीकेटों को तो आये दिन लोगों द्वारा जहां अपने जिनी उपयोग में लेते हुए भी देखा जाता है, चर्चा का विषय उस समय बन जाता है कि जब लोगों द्वारा अपने भवनों के निर्माण के दौरान इन म.प्र. पुलिस के बेरी केटों का मुख्य सड़कों पर पड़ी हुई नियम विरूद्व निर्माण सामग्री के आसपास लगा दिये जाते है? इस स्थिति को देखते हुए यह जान पड़ता है कि यह बैरीकेट शायद पुलिस द्वारा आम लोगों के उपयोग हेतु ही नगर में रखे गये है जिसे जब मर्जी हो वह उपयोग कर सकता है? इस बात की खबर शायद यहां के पुलिस अधिकारियों को भी नही होगी कि गाडरवारा पुलिस थाने में कितने बेरी केट है और वह किन किन जगहों पर रखे गये है? इस प्रकार से अपनी शासकीय संपत्ति से बेखबर पुलिस द्वारा नगर के अनेक हिस्सों में पड़े हुए बेरीकेटों की हो रही लगातार क्षति को लेकर जहां बेखबर नजर आ रही है? जिसके चलते शासन की संपत्ति का जहां लोगों द्वारा एक ओर खुलेआम दुरूपयोग तो किया ही जा रहा है वही दूसरी ओर उसे क्षति भी पहुंचाई जा रही है।

खबर संक्षेप

अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिरी मोटर सायकिल, 2 की मौत 1 घायल

अनूपपुर। कटनी से चांडिल जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 में आए दिन कोई न कोई हादसा हो ही जाता है जिले के अंतिम छोर पर स्थित अमलाई थाना क्षेत्र के ग्राम बटुरा में सोन नदी के पुल के ऊपर अनियंत्रित बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें दो की मौके पर मौत हो गई और एक महिला गंभीर रूप से घायल बताई गई है। घटना के संदर्भ में यह जानकारी सामने आई कि अनूपपुर से अपने घर लौट रहे थे बाइक में दुर्गेश और उसकी 13 साल की बच्ची लल्ली बाई तथा महिला सवार थी। दुर्घटना इतनी हृदय विधायक थी कि दुर्गेश और लल्ली की मौत मौके पर ही हो गई। स्थानीय लोगों ने तीनों को अनूपपुर जिला चिकित्सालय भेजा जहां पर चिकित्सको ने दुर्गेश और 13 साल की बच्ची लल्ली बाई की मौत की पुष्टि की वहीं गंभीर रूप से घायल महिला का इलाज चल रहा है बहरहाल उसकी भी हालत गंभीर बताई जा रही है।

तीन दिन से लापता शिक्षक का मिला शव

अनूपपुर। जिले के राजेन्द्रग्राम थाना क्षेत्र अंतर्गत कॉलेज तिराहा के पास 1 मई को अज्ञात शव देखे जाने की सूचना राहगीरों द्वारा पुलिस को दी गई। जहां सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए आसपास के लोगो से शव की शिनाख्त हेतु पूछताछ की गई। जहां पूछताछ में मृतक की पहचान अर्जुन सिंह पिता मिठ्ठु सिंह परस्ते उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम लाखौरा के रूप में की गई। जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा तैयार करते हुए शव को पीएम हेतु अस्पताल भेजा गया, जहां पीएम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी हुई है। परिजनों ने बताया कि मृतक अर्जुन सिंह परस्ते जो कि शासकीय प्राथमिक विद्यालय लाखौरा में शिक्षक है, जो तीन दिन पहले घर से निकले थे और वापस नही आये।

समर कैंप के तहत 18 कैंपों में युवाओं को दिया गया खेल प्रशिक्षण

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा के निर्देशन में शनिवार को जिले के 18 खेल प्रांगणो में समर कैंप का आयोजन किया गया। हमारी सबसे बड़ी पूंजी हमारे शरीर का स्वस्थ्य होना है शरीर स्वस्थ्य रहे तभी हम संपूर्ण कार्य बिना रुके कर सकते है। बच्चो का संपूर्ण विकास हो और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल कूद ,योग आदि बहुत जरूरी है। समर कैंप में चित्रकला, कविता, लेखन आदि कई प्रकार की विधाओं के साथ वॉलीबॉल, फुटवाल, एथलेटिक्स, योग, पीटी, हैंडवाल आदि कई विधाओं को सम्मलित कर युवाओ एवं बच्चो को ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अनूपपुर जिले में युवा कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग के सयुक्त तत्वाधान में कैंप का आयोजन सुबह और शाम दोनो पालियो में समय चक्र तय कर कैंप आयोजित किया जा रहा है। कैंप में सभी खिलाड़ी खेल की बारीकियों को बड़े मन के साथ सीख रहे है। गौरतलब है कि क्रीड़ाप्रभारी, खेल शिक्षक, उत्कृष्ट खिलाड़ी सहित अन्य लोगों के सहयोग से कैंप का आयोजन 1 मई से किया जा रहा है।

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही में भेदभाव करने का लगा आरोप

मुख्य मार्ग के किनारे से हटाये गये अतिक्रमण, कई जगह बनी विवाद की स्थिति

डिंडौरी। जिला मुख्यालय में शनिवार को मुख्यमार्ग किनारे स्थित अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान कई जगहों पर विवाद की स्थिति भी निर्मित हुई। राजस्व,पुलिस और नगर परिषद का अमला संयुक्त रूप से कार्रवाई में शामिल रहा है।जनकारी के मुताबिक अतिक्रमण हटाने के लिए दो दल का गठन किया गया था,इनमें एक दल द्वारा कलेक्ट्रेट तिराहा से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुबह शुरू की गई। इसी तरह दूसरी टीम ने द्वारा कॉलेज तिराहा से बेजा कब्जा हटाने की मुहिम को अंजाम दिया। मुख्य मार्ग के दोनों तरह बीच सड़क से निर्धारित किए गए स्थान के अतिक्रमण जिनमें चाय, पान की दुकान, टीन शेड चबूतरा को जेसीबी से हटाया गयाप्अतिक्रमण हटाने के दौरान तहसीलदार पंकज नयन तिवारी, नायब तहसीलदार शशांक शेंडे, कोतवाली प्रभारी अनुराग जामदार, यातायात प्रभारी सुभाष उइके, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, नगर परिषद के अधिकारी कर्मचारियो सहित शाहपुर, कोतवाली समनापुर, बिछिया, विक्रमपुर सहित अन्य थाना चैकी का बल भी भारी संख्या में मौजूद रहा। गौरतलब है कि पूर्व में अतिक्रमण हटाने के लिए मार्किंग भी की गई थी।इसके साथ ही मुनादी भी नगर परिषद द्वारा कराई गई थी।

-40 फुट के दायरे में हटाये अतिक्रमण

यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की मंशा के तहत की गई कार्रवाई के पूर्व नगर परिषद ने रोड किनारे मार्किंग भी की थी।मुख्यमार्ग के बीच से 40 फीट के दायरे को अतिक्रमण की श्रेणी में रखा गया और इसी नाप के अनुसार कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।हालांकि इसके बाबजूद कुछ जगह स्थाई अतिक्रमण होने के चलते कार्रवाई नहीं हो सकी है।जिसके कारण प्रशासन पर भेदभाव करने के आरोप भी लगे हैं।

-धमकी भी मिली

शनिवार को की गई कार्रवाई के दौरान राजस्व अमले को एक अतिक्रमण करने वाले ने धमकी भी दी है,जिसकी लिखित शिकायत राजस्व निरीक्षक ने कोतवाली पुलिस से की है।

गुणवत्ता निरीक्षक पर स्व-सहायता समूह ने लगाये राशि लेने के आरोप

डिण्डौरी। गुणवत्ता निरीक्षक आन्नद मौर्य पर एक के बाद एक स्व सहायता समूह से राषि वसूलने के आरोप लग रहे है। लेकिन प्रषासन की मेहरबानी या आन्नद मौर्य का रसूख जिसके चलते कार्यवाई की दिषा बदल जाती है और आरोप निराधार साबित होते है। लगातार षिकायतो के बाद कार्यवाई न होने से प्रषासन पर भी दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लग रहे है। पूर्व में ग्रामींणो द्वारा एक उपयंत्री पर तकनीकि स्वीकृति के एवज में राषि मांगने का आरोप लगाते हुए लिखित षिकायत दर्ज करायी गई थी जिस पर सज्ञांन लेते हुए उपयंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए संविदा सेवा समाप्त कर दी गई थी वही जिला पंचायत में पदस्थ परियोजना अधिकारी मनरेगा पर पदीय दायित्वो में लापरवाही के आरोप लगे थे जिनके विरूद्ध भी कार्यवाई करते हुए पद से पृथक कर दिया गया था। लेकिन गुणवत्ता निरीक्षक पर एक के बाद एक आरोप लग रहे है तथा समूह की सदस्यो द्वारा 20 मार्च 24 को रानी अवंती बाई के शहादत दिवस में शामिल होने बालपुर पहुचे मुख्यमंत्री तक को षिकायत की गई लेकिन षिकायत के बाद मामले की दिषा और दषा कैसे बदली यह चर्चा का विषय बना हुआ है । हालाकि षिकायत के बाद प्रान्तीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ म.प्र. ने समाचार पत्रो में प्रकाषित खबर को मिथ्याहीन बतलाते हुए मुख्यमंत्री को ज्ञापन नही देने की बात कह कर षिकायतकर्ता समूह की सदस्य को ही कटघरे में खडा करते हुए संघ से निष्कासित सदस्य बतलाया और प्रान्तीय महिला स्व-सहायता समूह ने क्लीन चिट देते हुए 22 मार्च को मुख्यमंत्री के नाम सौपे ज्ञापन में षिकायत को बेबुनियाद करार दिया । लेकिन इसके एक दिन बाद ही 23 मार्च 24 को कलेक्टर के भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत कमरासोढा के ग्राम लालपुर के ठाकुर देव स्व सहायता समूह की अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा शाला में माध्यान्ह भोजन संचालन हेतु समूह परिवर्तन के लिए 5 हजार रूपये गुणवत्ता निरीक्षक आन्नद मौर्या पर लेने के आरोप लगाये थे जिस पर कार्यवाई करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डिण्डौरी के द्वारा आन्नद मौर्या को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था

शासकीय महाविद्यालय बजाग में एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

कार्यशाला में अग्निवीर चयन परीक्षा एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा के चयन की दी गई जानकारी

डिंडौरी। शासकीय महाविद्यालय बजाग में शुक्रवार को महाविद्यालय के सभागार में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अग्निवीर भर्ती के क्षेत्र में रोजगार के अवसर अंतर्गत शारीरिक दक्षता एवं लिखित चयन परीक्षा की तैयारी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आदि विषयों पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार कुशवाह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया स तत्पश्चात कार्यशाला की शुरुआत में श्री अरविन्द डहेरिया द्वारा छात्र - छात्राओं को अग्निवीर भर्ती परीक्षा में चयनित होने हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी एवं सफलता प्राप्त करने के लिए मौखिक तथा प्रायोगिक व्याख्यान स्वरूप विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया स तत्पश्चात स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. दुर्गाप्रसाद गुप्ता द्वारा प्रकोष्ठ की योजनाओं के बारे में बताते हुए अग्निवीर भर्ती परीक्षा की पृष्ठभूमि एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होने हेतु छात्र-छात्राओं को विशेष मार्गदर्शन प्रदान कर प्रेरित किया गया तथा कार्यशाला के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार कुशवाह द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए छात्र - छात्राओं को अग्निवीर परीक्षा में चयनित होने हेतु विशेष मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्होंने अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं जिसमें राज्य सेवा परीक्षा, पुलिस, वनरक्षक, स्कूल शिक्षा समेत अन्य सभी विभागों द्वारा आयोजित चयन परीक्षा में सफलता अर्जित करने के मूल मंत्र बतलाए स उन्होंने मुख्य रूप से राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी करने के तरीकों को भी बतलाया और अंत में सभी छात्र - छात्राओं को अग्निवीर समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु परीक्षा उपयोगी विभिन्न पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का प्रदर्शन करते हुए छात्रों की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित किया स उक्त कार्यशाला में श्री सतीश कुमार वर्मा एवं डॉ. नंदिनी साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए स मंच संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. दुर्गाप्रसाद गुप्ता द्वारा किया गया स कार्यशाला में महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और लाभ प्राप्त किया स इस दौरान महाविद्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही ।

जनपद पंचायत स्तर पर 9 केंद्रों पर आयोजित हुआ रेवा स्वास्थ्य कैंप

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, आयुष विभाग,पशुपालन विभाग के आपसी सहयोग से स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया ऐसे दूरस्थ क्षेत्रों में किया जा रहा जहाँ स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव के कारण कुपोषण के मामले अधिक है,स्वास्थ्य कैंप कुपोषण के प्रति एक जंग है,जिसका उद्देश्य एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। स्वास्थ्य कैंप में गर्भवती महिला, कुपोषित बच्चे,स्तनपान कराने वाली माताएँ , किशोरियों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार के लिए एक सामूहिक प्रयास किया जा रहा है। आयु के अनुसार बच्चों में शारीरिक और मानसिक स्तर का विकास ना होना ही कुपोषण है, कुपोषण का प्रमुख कारण स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का ना होना है, वहीं कुपोषण से मुक्ति का उपाय सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

कैंप के तहत कुपोषण से सुपोषण के लिए संयुक्त प्रयास किये जा रहे है, जिसके तहत सबसे पहले कुपोषण से प्रभावित लोगों को चिन्हित किया जाता है, जिसके लिए कुपोषण के विभिन्न स्तरों पर लोगों की पहचान की जाती है, गंभीर कुपोषित लोगों को आवश्यक उपचार उपलब्ध करवाया जाता है, और अवश्यकता अनुसार एनआरसी केंद्रों में भेजा जाता है। बच्चों में कुपोषण की जाँच उनके आदर्श वजन और ऊंचाई के मापन के आधार पर की जाती है, वहीं किशोरीयों, महिलाओं, धात्री माताओं की जाँच के लिए एनीमिया, रक्त, एवं अन्य जाँच की जाती है। जिसके आधार पर उचित उपचार दिया जाता है।

कैंप के दौरान ग्रामीणों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार करने के लिए पोष्टीक मठरी, दाल चावल खिचड़ी, अंकुरित अनाज, चकली, कोदो, महुआ, मक्का कचरिया, और फलों का वितरण किया जा रहा है।कोदो एक शुगरफ्री मिलेट है जिसके सेवन से धात्री माताओं और नवजात शिशुओं को लाभप्रद होता है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं के द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए पंचरंगी थाली की सलाह दी जाती है और उपलब्ध कराई जाती है, पंचरंगा में 5 रंगों के आधार पर भोजन की थाली में शामिल करने के लिए इंगित करता है, जिनमें सफेद रंग रोटी या चावल, पीला रंग दाल, लाल रंग टमाटर, हरा रंग भाजी एवं अन्य हरी सब्जी, और नारंगी रंग खट्टे फलों को प्रदर्शित करता है। रोटी या चावल से कार्बोहाईड्रेट, दालों से प्रोटीन, हरी भाजीयों से मल्टीविटामिन, खट्टे फलों से विटामिन सी की पूर्ति होती है, इस प्रकार पंचरंगी थाली गर्भवती महिला और शिशुओं के लिए एक सम्पूर्ण पोषण प्रदान करती है,जोकि कुपोषण से मुक्ति पाने में मददगार साबित हो रही है। गर्भवती महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और आवश्यक सावधानी की सलाह दी गयी, वहीं नवजात बच्चों के लिए उचित आहार की जानकारी भी माताओं को स्वास्थ्य कैंप में दी जा रही है।

उक्त रेवा केम्प के आयोजन नगर पंचायत डिंडौरी के वार्ड नम्बर 10 एवं 07 में, नगर पंचायत शहपुरा के वार्ड नम्बर 08 एवं 09 में, जनपद पंचायत अमरपुर के ग्राम खुदूरपानी में, जनपद पंचायत बजाग के ग्राम लालपुर बैगाटोला में, जनपद पंचायत डिंडौरी के ग्राम सारंगपुर पड़रिया में, जनपद पंचायत करंजिया के ग्राम कुटेलीदादर में, जनपद पंचायत मेंहदवानी के ग्राम बालपुर में, जनपद पंचायत समनापुर के ग्राम मोहती में और जनपद पंचायत शहपुरा के ग्राम छीरपानी में आयोजित किया गया।

कलेक्टर ने शहपुरा में अधिकारियों की ली बैठक

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने तहसील मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक ली, बैठक के मुख्य बिंदु पेयजल, पौधरोपण, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, स्वास्थ्य, शिक्षा, सीएम हेल्पलाइन और प्रचलित कार्य रहे। उक्त बैठक में एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह, तहसीलदार पुष्पेंद्र पेंन्द्रो, सीईओ जनपद अरविन्द बोरकर सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर विकास मिश्रा ने पेयजल आपूर्ति को सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग अपने अपने कार्यालयों में पेयजल की व्यवस्था की जाँच कर लें जिससे आमजन और कर्मचारियों को समस्या ना हो, पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए च्भ्म और डच्म्ठ की टीम संयुक्त समन्वय के साथ कार्य करें, पेयजल संकट के सभी मुद्दों पर एसडीएम को सूचित कर त्वरित निपटान करें।और तालाब क्षेत्रों की सफाई पर ध्यान दें।

कलेक्टर ने नगर परिषद के प्रचलित कार्यों को बारिश आने के पहले पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। जिसमें सिवेज की सफाई मुख्य रूप से करवाए, मानसून के पूर्व पौधरोपण के लिए तैयारी रखें, और राजस्व टीम के साथ सार्वजानिक स्थानों से अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रचलित निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए और निर्माण कार्यों को तीव्रता से समय सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बैठक में राजस्व के प्रचलित कार्यों पर चर्चा करते हुए लंबित कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति और स्वास्थ्य सेवा के सम्बन्ध में जानकारी ली, उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों की अव्यवस्थाओं को जल्दी से ठीक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुपोषण को दूर करने का प्रयास संयुक्त रूप से करना है,इसलिए समस्त सीएचओ नीतिगत कार्य करें। महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करें और सुनिश्चित करें कि दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य लाभ सभी को मिल सके। साथ ही एम्बुलेंस सेवा की व्यवस्था का जायजा भी निरंतर करते रहे और प्राथमिकता के सतब स्वास्थ्य में सुधार करें।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के लिए निर्देश दिए कि ब्लॉक मुख्यालय पर कैरियर काउंसलिंग केंद्र बनाकर बच्चों की अभिक्षमता को समझें और उसी अनुसार उनका मार्गदर्शन कर भविष्य की नीति बनाये। उन्होंने 4 और 5 मई को आयोजित होने वाले पुस्तक मेला के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि स्कूलों में टेलीएजुकेशन के आधार पर दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्ता युक्त शिक्षा पहुंचाने के लिए कार्य करें और लाइब्रेरी के माध्यम से बच्चों में पढ़ाई के प्रति रूचि बढ़ाये।

कलेक्टर ने ग्रीष्म ऋतु के दौरान होने वाले शार्ट सर्किट के मामलों पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देश दिए जिससे आग लगने की सम्भावना से पहले ही बचा जा सके, इसके साथ ही एक्सीडेंट जोन पर ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी को कार्य के सतब अपने स्वास्थ्य की देखभाल रखने के लिए कहा।

दोषी पाये गये प्राचार्य, दस माह बाद आई रिपोर्ट में खुलासा

शासन को प्राचार्य के विरूद्ध कार्यवाई के लिए भेजा जायेगा प्रस्ताव- कलेक्टर

डिंडौरी। एकलव्य आदर्ष आवासीय विद्यालय डिण्डौरी के प्राचार्य एम के गवले के विरूद्ध छात्र-छात्राओं द्वारा पिछले वर्ष लगाये गए गंभीर आरोपो की जांच रिर्पोट दस माह बाद आई। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा इसकी पुष्टि करते हुए बताया गया कि जांच रिर्पोट में प्राचार्य दोषी पाये गये है। प्राचार्य के विरूद्ध कार्यवाई के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है । गौरतलब है कि वर्ष 2023 में सत्र शुरू होने के दौरान ही स्कूल के सैकडो छात्र छात्राओं ने प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए पैदल लंबी दूरी तक कर जिला मुख्यालय पहुंच गए थे।

मामला तुल पकडने के बाद कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा जांच टीम बनाई गई लेकिन दस माह तक जांच रिर्पोट ही अटकी रह गई। जांच टीम में शामिल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर रजनी वर्मा का कई माह पहले स्थानान्तरण भी हो चुका है। अब तक जांच रिर्पोट कहा अटकी थी इस पर गई गंभीर सवाल खडे हो रहे है। गौरतलब है कि प्राचार्य द्वारा लगातार की जा रही मनमानी के बाद भी कार्यवाई न करने से कई सवाल खडे हो रहे है।

अब मामला भोपाल स्तर तक भी पहुंच गया है। भोपाल से आई जांच टीम ने भी दस्तावेज जप्त कर बडी अनियमितता पकडी थी। इस मामले में भी कार्यवाई अंतिम दौर पर है। ऐसे में अब जांच रिर्पोट आना कई सवाल खडे कर रहा है। स्कूल में अध्ययनरत आदिवासी छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ भी खिलवाड करने का मामला सामने आ रहा है। स्कूल के बाथरूम में सीसीटीव्ही कैमरे लगवाकर छात्राओं की निजता भंग करने के आरोप में भी प्राचार्य को बचाने के आरोप लग रहे है।

गेहूं उपार्जन की अवधि 15 मई से बढ़ाकर 20 मई 2024 तक की गई

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की अवधि 15 मई से बढ़ाकर 20 मई 2024 तक कर दी गई है। इस वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2275ध्- प्रतिविकटल के साथ 125 बोनस प्रतिक्विंटलं पर है इस प्रकार 1 विवटल गेहू उपज का कुल समर्थन मूल्य 2400ध्- प्रति क्विंटल है। जिले में खरीदी केन्द्र 12 स्थापित किये गये है, जिनमें डिण्डौरी, कुकर्रामद, समनापुर चादरानी, कोकोमटा, शाहपुर, अमरपुर, विपणन गोरखपुर, सुनपुरी, शहपुरा, करमांय तथा कठौतिया बनाये गये है। जिले में आज दिनांक 03ध्05ध्2024 को समग 6.30 बजे शाम की स्थिति में शहपुरा केन्द्र में 129 किसान से 3847.50 किटर्न, बरगांव केन्द्र में 25 किसान से 1407 स्विटलं, समनापुर केन्द्र में 1 किसान से अमरपुर केन्द्र में 120 किसान से 1977 विपटलं कुकर्रामठ केन्द्र में 2 किसान से 37 विवटलं, विषणन गोरखपुर केन्द्र में 26 किसान से 933 क्विटल डिण्डौरी में किसान से 101 क्विटलं तथा कठौतिया में 4 किसान से इस प्रकार कुल स्थापित 12 में 8 केन्द्रों में 313 कुल किसानों से 8303 विवटलं की हो सकी है।

17 हाई स्कूल और 7 हायर सेकेण्डरी में 30 फीसदी से भी कम रहा परीक्षा परिणाम स्टाफ की कमी

डिंडौरी

जिले मे हायर सेकेण्डरी व हाई स्कूल के परीक्षा परिणाम ने अभिभावकों को चैंका दिया है। घोषित रिजल्ट के मुताबिक 10वी का परीक्षा परिणाम 58 फीसदी और हायर सेकेण्डरी का परीक्षा परिणाम 60 फीसदी तक गिर गया है। स्थिति यह है कि जिले भर मे 17 हाई स्कूलों के साथ 7 हायर सेकेण्डरी स्कूलों का रिजल्ट भी 30 फीसदी के आस पास रहा है। परीक्षा परिणामो पर नजर डाले तो ज्यादातर परीक्षार्थी अंग्रेजी और गणित विषयों मे अनुत्रीण हुए है।

इन स्कूलों का रिजल्ट 30 फीसदी से कम रहा-

जिन हाई स्कूलों का रिजल्ट 30 फीसदी से कम रहा उनमे शाहपुर, भालापुरी, बजाग, अमरपुर, खुरखुरीदादर, चांदपुर,सक्का, सिधौली मोहगांव, पड़रिया कला, सेलवार,मोहनझिर माल ,चिचरिंगपुर, रुसा ,देवरीमाल,नुनखान, विक्रमपुर और अमरपुर शामिल है। इनमे सबसे खराब प्रदर्षन शासकीय हाईस्कूल अमरपुर का रहा है , यहां परीक्षा परिणाम 2.86 प्रतिशत ही रहा । वही जिले मे सात हायर सेकेण्डरी स्कूलों का रिजल्ट भी 30 फीसदी से कम रहा। इनमे अमरपुर, पंडरीपानी ,उमरिया ,बालक विक्रमपुर,रुसा,सिधौली मोहगांव ,शाहपुर का रिजल्ट कम रहा जिनमे सबसे कम 8.77 फीसदी रिजल्ट शाहपुर का रहा।

जिले मे 90 प्रतिशत के ऊपर रही स्कूल

जहा जिले मे 17 हाई स्कूल और 7 हायर सेकेण्डरी स्कूलों का रिजल्ट 30 फीसदी से कम रहा तो वही जिले की 7 हायर सेकेण्डरी स्कूलों का रिजल्ट 90 प्रतिशत के ऊपर रहा इनमे गुतलवाह , बरगांव,शहपुरा, किसलपुरी, गौराकन्हारी, बम्हनी, रैयपुरा हायर सेकेण्डरी स्कूल रहें इनमे अधिक 100 प्रतिशत परिणाम के साथ जिले भर मे गुतलवाह हायर सेकेण्डरी स्कूल रहा वही हाई स्कूल मे 90 प्रतिशत आने वाली स्कूलों मे शहपुरा,बिलगांव,रैयपुरा,सरई ,डिंडोरी, शहपुरा ,मूसामुंडी, किसलपुरी रहे, इनमे दो हाई स्कूलों का रिजल्ट 100 फीसदी रहा जिनमें शहपुरा और बिलगांव है।

इन कारणों से परिणाम आया कम-

जिले भर के हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों के परीक्षा परिणाम कम आने का विभाग द्वारा दलील दी जा रही है की जिले मे शिक्षा विभाग मे स्टाप की कमी के कारण यह रिजल्ट कम आए है इसके अलावा अतिथि शिक्षक भी पर्याप्त नही है खासतौर पर अंग्रेजी और गणित विषय के अतिथि शिक्षक जिले मे नही मिल पा रहे है जिसके कारण इस वर्ष परिणामो मे गिरावट आई है । इसके अलावा कमजोर छात्रो को पढ़ाने के लिए लगाई गई अतिरिक्त कक्षायें औपचारिक रही उनमे शिक्षको ने वीक छात्रों को अच्छे से नही पढ़ाया इसके आलावा विभाग के अधिकारियो द्वारा संचालित अतिरिक्त कक्षाओ का समय समय पर निरीक्षण नही किया गया जिसके कारण भी परीक्षा परिणामो मे गिरावट आई है।

इनका कहना.....

परीक्षा परिणामो मे कमी आने का कारण जिल मे स्टाप की कमी है हमारे जिले मे विषय वार शिक्षक नही है वही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों मे अंग्रेजी और गणित के अतिथि शिक्षक भी नही मिलते जिसके कारण रिजल्ट मे गिरावट आई है।

-रती सिंह सेन्द्राम जिला शिक्षा अधिकारी

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, रविवार 5 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

आज मनाई जावेगी भगवान सेन जी महाराज की जयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । सेन समाज के आराध्य संत शिरोमणि भगवान सेन जी महाराज की जयंती 5 मई रविवार को स्थानीय सदर मढ़िया प्रांगण मे मनाई जावेगी । आयोजन समीति द्वारा बताया गया कि प्रातः 10 बजे नगर के विभिन्न मार्गो से भगवान सेन जी महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली जावेगी उसके उपरांत चालीसा पाठ व हवन -पूजन तथा अतिथि उद्बोधन , मेधावी छात्र - छात्राओं और नगर के गणमान्य नागरिकों का सम्मान किया जावेगा । सेन समाज अध्यक्ष प्रदीप सेन द्वारा बताया गया कि सेन जयंती के अवसर पर समस्त स्वजातीय बंधुओं द्वारा अपने प्रतिष्ठान बंद रखे जावेगें एवं कार्यक्रम मे उपस्थित होने की अपील की गई है ।

ट्रेक्टर पलटने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस खेत मे ट्रेक्टर चला रहे रहे युवक की ट्रेक्टर पलटने से मौत हो गई । उक्त संबंध मे पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामनाथ पिता होती लाल पटैल उम्र 35 वर्ष निवासी छत्तरपुर थाना तेंदूखेड़ा अपने खेत मे ट्रेक्टर से दवाई छिड़काव कर रहा था तभी अचानक ट्रेक्टर पलट गया जिसे स्थानीय लोगो द्वारा निकाला गया और परजिनों को जानकारी दी गई जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया ।

जहरीली वस्तु के सेवन से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया । पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र गोटेगांव के देव मुरलीधर वार्ड निवासी नीतेश पिता किशोरी लाल जोगी उम्र 35 वर्ष द्वारा घर पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया ।

प्रतीक्षालय में व्यक्ति ने लगाई फांसी, मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । जिला मुख्यालय से 7 किलोमीटर दूर स्टेशनगंज थाना अंतर्गत आने वाली दादा महाराज कालोनी परिसर में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक मुकेश पिता रमेश मेहरा बरगी जबलपुर का निवासी हैं। जो अपनी ससुराल मऊ थाना चीचली में रहता था वही कुछ दिन पहले उसका ट्रेन दुर्घटना में पैर कट गया था। जिसका इलाज जबलपुर अस्पताल में किया जा रहा था वही उसने दादा महाराज कॉलोनी परिसर के पास बने प्रतीक्षालय में फाँसी के फन्दे से लटका मिला वही परिजनों को सूचना मिलने और वह पहुँचे और पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग प्रकरण कायम कर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौपा ।

मारपीट करने वाले आरोपी को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भारत सिंह रघुवंशी के न्यायालय द्वारा आरोपी रोशन सिंह राजपूत, आत्मज रतिराम राजपूत, उम्र 50 वर्ष, निवासी-देवनगर, थाना मुंगवानी, जिला नरसिंहपुर को भारतीय दंड संहिता की धारा 294 में 15 दिवस का सश्रम कारावास एवं 500/- का अर्थदंड, धारा-324 में 06 माह का सश्रम कारावास एवं 500/-रुपए का अर्थदंड से दंडित किया गया है।

शादी समारोह में गई हुई थी किशोरी

बरात घर मे दो किशोरियों के साथ हुये दुष्कर्म के दोनों आरोपियों को 10 वर्ष का कारावास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । शनिवार को न्यायालय, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ श्रीमती अंजली पारे के न्यायालय द्वारा नाबालिगों के साथ दुष्कर्म के प्रकरणों में दोनो आरोपियों को 10 वर्ष का सश्रम कारावास तथा जुर्माना किया गया । अभियोजन मे बताया गया है कि दोनो आरोपियों द्वारा एक साथ एक ही स्थान पर दुष्कर्म की घटना का अंजाम दिया गया । किशोरियों द्वारा परिजनों के साथ थाना गाडरवारा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई । जिस पर न्यायालय द्वारा फैसला सुनाया गया । अभियोजन मे बताई गई कहानी के अनुसार दोनो आरोपी एक ही समाज के है तथा एक दिन एक ही स्थान पर घटनाकारित की गई जिससे प्रतीत होता है कि आरोपी लंबे समय से प्लान कर रहे होंगे ।

शादी समारोह में गई थी किशोरी

अभियोजन मे बताई गई कहानी के अनुसार किशोरी अपने परिजनों के साथ शादी समारोह में गई हुई थी तथा बारात घर मे ठहरी हुई थी तभी लघुशंका के लिये बारात घर में बने बाथरूम गई तभी दोनों आरोपियों द्वारा किशोरियों के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया । किशोरियों की चीख पुकार सुनकर परिजन आये और लात मारकर दरवाजा तोड़ा गया और आरोपी भाग गये । तब किशोरियों द्वारा घटना की पूरी बात परिजनों को बताई गई और उनके साथ रिपोर्ट दर्ज कराने थाना पहुंची । उक्त घटना की कहानी के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपियों द्वारा प्लानिंग कर शादी में आये और उक्त घटना को अंजाम दिया गया ।

अलग - अलग दर्ज हुये मामले

अभियोक्त्री की रिपोर्ट पर थाना गाडरवारा में आरोपी आशीष साहू, आत्मज कुंजीलाल साहू

आयु 18 वर्ष निवासी ग्राम इमलिया (पिपरिया), थाना चीचली जिला नरसिंहपुर पर अपराध क्रमांक 583/2022 पर संहिता की धारा 376(1), 342 एवं अधिनियम 2012 की धारा 3, 4 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख की जाकर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी को भादवि की धारा- 342 में 06 माह का सश्रम कारावास एवं 1000/- रुपए जुमार्ना एवं धारा-3/4 पाक्सों एक्ट में 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10000/- जुमार्ना सें दंडित किया गया। वही दूसरे मामले अभियोक्त्री की रिपोर्ट पर आरोपी प्रमोद साहू, आत्मज कोमल साहू आयु 28 वर्ष निवासी ग्राम इमलिया (पिपरिया), थाना चीचली जिला नरसिंहपुर अपराध क्रमांक 582/2022 पर संहिता की धारा 376(1), 342 एवं अधिनियम 2012 की धारा 3, 4 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख की जाकर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों को भादवि की धारा- 342 में 03 माह का सश्रम कारावास एवं 1000/- रुपए जुमार्ना एवं धारा-3/4 पाक्सों एक्ट में 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10000/- जुमार्ना सें दंडित किया गया।

दस्तावेजों को किया परीक्षण

अनुसंधान के अगामी प्रक्रम पर अभियोक्त्री एवं अन्य साक्षीगण के कथन लेखबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया एवं अन्य आवश्यक अन्वेषण एवं कार्यवाही उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से प्रस्तुत किए गए साक्षी जिसमें पीडिता तथा माता-पिता ने घटना का समर्थन किया हुआ है तथा न्यायालय में प्रस्तुत चिकीत्सीय दस्तावेज एवं प्रधान पाठक द्वारा प्रस्तुत किये गये दस्तावेजी साक्ष्य को विश्वसनीय मानते हुये आरोपी को दोषसिद्ध पाकर न्यायालय द्वारा आरोपी को उक्त सजा सें दंडित किया। प्रभारी उपसंचालक अभियोजन/जिला लोक अभियोजन अधिकारी नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में, विशेष लोक अभियोजक श्रीमती संगीता दुबे द्वारा उक्त प्रकरण में सशक्त पैरवी की गई।

रेत खदानों के लिए लोक सुनवाई प्रस्तावित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । . मेसर्स द एमपी स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड को स्वीकृत 10 रेत खदानों के लिए पर्यावरण स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई पात्रता अनुसार संदर्भित नोटिफिकेशन के परिपेक्ष्य में कराई जाना प्रस्तावित है। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन के अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी नरसिंहपुर व गाडरवारा की अध्यक्षता एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि की उपस्थिति में यह लोक सुनवाई प्रस्तावित की गई है। जिले की तहसील नरसिंहपुर के अंतर्गत ग्राम करहैया के खसरा क्रमांक 1,113 रकबा 10.063 हे. में उत्पादित क्षमता 1,13,400 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 21 मई को ग्राम पंचायत भवन करहैया में प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे और ग्राम घाटपिपरिया के खसरा क्रमांक 1/1 रकबा 7.000 हे. में उत्पादित क्षमता 1,13,400 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 21 मई को ग्राम पंचायत भवन घाटपिपरिया में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक लोक सुनवाई की जायेगी। इसी तरह जिले की तहसील सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम मेहरागांव के खसरा क्रमांक 380 रकबा 20.000 हे. में उत्पादित क्षमता 3,24,000 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 22 मई को ग्राम पंचायत भवन मेहरागांव में प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक, ग्राम संसारखेड़ा- 1 के खसरा क्रमांक 208/1, 208/2 रकबा 13.000 हे. में उत्पादित क्षमता 2,10,600 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 22 मई को ग्राम पंचायत भवन झिकौली में प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक, ग्राम अजंदा- 1 के खसरा क्रमांक 39/1 रकबा 4.00 हे. में उत्पादित क्षमता 64,800 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 22 मई को ग्राम पंचायत भवन अजंदा में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक, ग्राम अजंदा- 2 के खसरा क्रमांक 263/2 व 263/1 रकबा 15.00 हे. में उत्पादित क्षमता 1,62,000 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 22 मई को ग्राम पंचायत भवन अजंदा में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक और ग्राम खिरिया के खसरा क्रमांक 21/1 रकबा 4.00 हे. में उत्पादित क्षमता 64,800 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 23 मई को ग्राम पंचायत भवन खिरिया में प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक लोक सुनवाई की जायेगी। जिले की तहसील गाडरवारा के अंतर्गत ग्राम चिरहकला के खसरा क्रमांक 493 रकबा 5.00 हे. में उत्पादित क्षमता 81,000 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 23 मई को ग्राम पंचायत भवन चिरहकला में प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक, ग्राम घूरपुर के खसरा क्रमांक 163,166 रकबा 7.330 हे. में उत्पादित क्षमता 1,18,746 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 23 मई को ग्राम पंचायत भवन कजरोटा में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक और ग्राम पनागर- 1 के खसरा क्रमांक 305 रकबा 5.00 हे. में उत्पादित क्षमता 81,000 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 23 मई को ग्राम पंचायत भवन पनागर में शाम 4 बजे से शाम 5 बजे तक लोक सुनवाई की जायेगी। इस संबंध में अपर कलेक्टर ने उक्त रेत खदानों की पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये निर्धारित स्थानों, दिनांक एवं समय पर सम्पन्न किया जाना सुनिश्चित की जाती है।

15 दिवसीय योग प्रशिक्षण समर कैंप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा जारी आदेश के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी एचपी कुर्मी व एडीपीसी रमसा अनिल व्योहार के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में 15 दिवसीय योग प्रशिक्षण समर कैंप का आयोजन असेम्बली हाल नरसिंहपुर में किया जा रहा है। समर कैंप का शुभारंभ उत्कृष्ट प्राचार्य जीएस पटेल, जिला योग प्रभारी देवेन्द्र कुमार ढिमोले, जिला योग समिति के अध्यक्ष एसके चतुर्वेदी, डॉ. अंजिता वर्मा, श्रीमती शिखा ठाकुर एवं प्रभात राय की उपस्थिति में किया गया। यह समर कैंप प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 8 बजे तक योग प्रशिक्षण एवं ध्यान प्रशिक्षण प्रदान किया

जा रहा है। योग गतिविधियों में योग प्रशिक्षक देवेन्द्र कुमार ढिमोले के द्वारा यौगिक प्रार्थना तथा विभिन्न प्रकार की सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं, आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योग से संबंधित महत्वपूर्ण बतो बताई और श्रीमती शिखा ठाकुर द्वारा ध्यान का अभ्यास कराया गया। शांति पाठ के द्वारा योग क्लास का समापन किया गया। अंत में उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री पटेल ने योग का महत्व बताया। प्रथम दिवस 60 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें शिक्षक, छात्र- छात्राएं एवं अन्य नागरिक मौजूद थे।

महाआरती व श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज - करेली । हारे के सहारे श्री भगवान खाटूश्यामजी की आज 05 मई रविवार वैशाख कृष्ण एकादशी उत्सव पर श्री खाटूश्याम फोटो स्वरूप स्थापना महोत्सव महाआरती एवं श्री श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन श्री खाटूश्याम मंदिर नये बस स्टैंड के पास तुलसी नगर करेली मे आयोजित है। श्री श्याम सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि नरसिंहपुर जिले के प्रथम खाटू श्याम मंदिर में बाबा श्याम के फोटो स्वरूप की स्थापना हो रही हैं तो संकीर्तन मे रात्रि 8 बजे बाबा श्याम की ज्योत प्रज्वलित होगी। साथ ही संगीतमय श्री श्याम भजन संकीर्तन मे प्रसिद्ध गायिका श्री श्याम लाड़ली सुश्री यशी चौरसिया, श्री श्याम लाड़ले सरदार गगन दीप सिंह 'हर्ष' एवं टीम करेली द्वारा बाबा श्याम के भजन कीर्तन होगें। मनीष कोरी एंड कंपनी द्वारा राधा कृष्ण नृत्य की मनमोहक शानदार प्रस्तुतियां दी जायेगी। ठीक रात्रि 12 बजे महाआरती होगी। सभी श्याम प्रेमियों से महोत्सव मे सम्मिलित होने का आग्रह श्री श्याम सेवा समिति ने किया है।

एक दिन एक रोड अभियान के तहत पुलिस ने काटे 194 लोगों के चालान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पुलिस द्वारा चलाये जा रहे एक दिन एक रोड अभियान के तहत नियम विरूद्ध, शराब पीकर, तेज गति से वाहन चलाने वालें 194 लोगों पर चालानी कार्रवाई की गई तथा रोड पर दुकान लगाकर यातायात बाधित करनें वालों समझाइस दी गई । मुख्य नगरीय एवं व्यस्तम क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में सुधार लाने एवं यातायात बाधित करने वाले दुकानदार, हाथ ठेले एवं नियम विरूद्ध वाहन चलाने वाले चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करना है ताकि आमजनों को असुविधा का सामना न करना पडे साथ ही जिले में घटित होने वालें अपराधों पर अुकंश लगाया जा सके। चलाए जा रहे अभियान एक दिन एक रोड के तहत यातायात पुलिस नरसिंहपुर एवं स्थानीय थाना पुलिस टीमों द्वारा जिले के मुख्य नगरीय क्षेत्रों

में कार्यवाही करते हुए ऐसे दुकानदार जो अपनी दुकान का सामान रोड पर रखकर यातायात बाधित करते है एवं हाथ ठेले वाले दुकानदारों को निर्धारित स्थान पर लगवाया गया एवं भविष्य में रोड पर दुकान न लगाने की हिदायत दी गयी साथ ही चेतावनी दी गयी कि आपके द्वारा पुनः नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो आपके विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जावेगी। उल्लेखनीय है कि जिले में यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में एक दिन एक रोड अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत यातायात नियमों के प्रति आमजनों को जागरूक भी किया जा रहा है एवं नियम विरूद्ध वाहन चलाने वालों के विरूद्ध चलानी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में विगत 4 दिनों में यातायात पुलिस द्वारा 82 बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले, 14 बिना सीट बेल्ट वाले, 2 तेज गति से वाहन चलाने वाले, 2 तेज आबाज सायलेन्सर, एवं 6 अन्य धाराओं के चालान काटे गये इस प्रकर यातायात पुलिस एवं अन्य थानों द्वारा कार्यवाही करते हुये विगत 4 दिनों में 194 चालान काटे गए जिनसे 67700 रुपए समन शुल्क वसूल किया गया है।

स्ट्रॉग रूम सुरक्षा के हेतु अधिकारियों की लगाई ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 26 अप्रैल को मतदान समाप्ति के पश्चात ईव्हीएम/ व्हीव्हीपीएटी कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में स्थापित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे जाने एवं स्ट्रांग रूम सील हो जाने के पश्चात मतगणना 4 जून तक स्ट्रांग रूम के बारह एवं मंडी परिसर में 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए राजपत्रित/ कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने पूर्व में जारी आदेश को संशोधन कर नवीन संशोधित आदेश जारी किया है। उक्त दल निर्धारित ड्यूटी दिनांक व समय पर कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में बनाये गये स्ट्रांग रूम स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने दायित्व का निर्वहन करना सुनिश्चित करेंगे। स्ट्रांग रूम के बाहर संधारित उपस्थिति लागबुक में हस्ताक्षर करेंगे। प्रभारी अधिकारी निगरानी/ सुरक्षा निर्धारित ड्यूटी के दौरान यह भी सुनिश्चित करेंगे कि कृषि उपज मंडी परिसर में अनाधिकृत व्यक्ति/ बिना परिचय पत्र के प्रवेश न करें। प्रभारी अधिकारी निगरानी/ सुरक्षा व्यवस्था निर्धारित ड्यूटी के अनुसार समय पूर्ण होने के पश्चात अगले प्रभारी अधिकारी निगरानी/ सुरक्षा के ड्यूटी में उपस्थित होने के पश्चात ही परिसर से बाहर निकलेंगे। उक्त दल डिप्टी कलेक्टर मनोज कुमार चौरसिया के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण में अपना कार्य सम्पादित करेंगे।

बाल विवाह रोकने दी जा रही समझाईश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । जिले मे विदिशा सोशल वेलफेयर आगेर्नाइजेशन एक्सेस टू जस्टिस फेस 2 के द्वारा चलाए जा रहे बाल विवाह रोको अभियान के तहत परियोजना के अंतर्गत कार्यकर्ताओ के द्वारा ग्रामों में भ्रमण कर ऐसे परिवारों की जानकारी ली जा रही जिन्होंने अपने नाबालिक बच्चों की शादी तय कर दी एवं शादी हेतु तैयारी की जा रही, ऐसे चिन्हित परिवारों को आंगनबाड़ी एवं आशा

कार्यकतार्ओं के साथ जा कर संपर्क किया जा रहा है एवं परिवार जनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे बताया जा रहा जिससे उक्त परिवार द्वारा अपने लड़के एवं लड़कियों की सादी बालिक होने पर की जाए इसके लिए उनसे बाल विवाह न करने का वचन भी लिया जा रहा है।जिला प्रभारी गणेश कुशवाहा और उनकी टीम द्वारा बाल विवाह न करने की समझाइश दी तथा सही उम्र में शादी करने हेतु बालिका की आयु 18 वर्ष से अधिक व बालक की आयु 21 वर्ष तक हो।

गांव गांव पहुंच रही मातृ शक्ति श्रद्धा संवर्धन रथ यात्रा

तेंदूखेड़ा- शांति कुंज हरिद्वार के दिशा निर्देशन में मध्यप्रदेश जोन के हर एक जिले में मातृ शक्ति श्रद्धा सम्वर्धन रथ यात्रा अलग अलग तहसीलों में प्रत्येक ग्राम पंचायत तक पहुंच रही है ।जिला समन्वयक वृंदावन पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में चार रथ यात्रा का कार्य पूर्ण कर रहे हैं ।नरसिंहपुर गोटेगांव तहसील के लिए रथ क्रमांक 122 अविनाश बेलाकर व परिव्राजक यशवंत सिंह लोधी गोविंद नेमा रामवरण सोनी मुकेश पटैल तहसील करेली के लिए रथ क्रमांक 211 रामनारायण कौरव अवधेश कौरव डालचंद सनेढिया रथ तहसील तेंदूखेड़ा के लिए रथ क्रमांक 212 वीरेंद्र सिंह पटेल श्रीकांत गुप्ता हरिओम वर्मा रामकुमार ठाकुर नारायण सिंह पटेल भोजराज बडकुर भैरव पटैल काशीराम पटैल मूलचंद पटैल रामकिशन पटैल द्वारका पटैल निर्भयराम पटैल भूपेंद्र पटैल तहसील गाडरवारा सांईखेड़ा के लिए रथ क्रमांक 213 विनोद श्रीवास्तव केशव प्रसाद पचैरी राजेश कौरव गीताप्रसाद कौरव पंडित जगदीश प्रसाद दुबे सत्यनारायण मुक्तद्दम आर पी सिंह संचालन कर रहे हैं। गोटेगांव सांईखेड़ा को छोड़कर बाकी तहसील लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुकी हैं ।आगामी 10 मई तक सभी पंचायतों तक पहुंचने का लक्ष्य है ।यात्रा में हर पंचायत में उत्साह पूर्वक लोग रथ में स्थापित कलश पूजन कर रहे हैं।भीषण गर्मी में यात्रा में सहयोग करने वाले सभी परिजनों का जिला समन्वयक वृंदावन पटैल मुख्य ट्रस्टी शक्ति पीठ नरसिंहपुर थंमनसिंह शर्मा आचार्य सहायक ट्रस्टी नरसिंहपुर प्रेमचंद शाक्य मुख्य ट्रस्टी शक्ति पीठ गाडरवारा आर पी सिंह मीडिया प्रभारी बलराम नामदेव ने आभार व्यक्त किया है।

ढाई किलोमीटर दूर से पानी लाकर आदिवासी ग्राम ढिलवार की बुझाई जा रही प्यास

भीषण गर्मी में होती थी परेशानी

तेंदूखेड़ा- चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले आदिवासी ग्राम ढिलवार में पानी की समस्या काफी लंबे समय से बनीं हुई है। स्थानीय स्तर पर अनेकों प्रयास किये जाने के बाबजूद भी पानी नसीब नहीं हो पा रहा था। गर्मी का मौसम आते ही यहां के हेंडपंप पानी की जगह हवा उगलने लगते थे। यहां के वाशिंदे एक से दो तीन किलोमीटर दूर से साइकिलों या गाड़ी बैल के माध्यम से पीने और निस्तार का पानी ढोकर लाया करते थे। यहां तक कि जल स्रोतों के समीप पहुंच वहीं निस्तार करके मवेशियों को पानी पिलाने से लेकर महिलाएं सिर पर पानी ढोकर लातीं थी। दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोगों को अपनी मजदूरी की चिंता के साथ पानी की ज्यादा चिंता बनीं रहती थी। अनेकों प्रयत्नों के बाबजूद ढिलवार से लगभग ढाई किलोमीटर दूर एक खेत से जहां पानी की पर्याप्तता है वहां से विद्युत मोटरों के माध्यम से अलग-अलग स्टाप बना कर विद्युत मोटरों से पानी खींच कर अब कहीं पानी पहुंचना प्रारंभ हुआ है। लेकिन अभी कहीं कहीं लीकेज होने के कारण सही तरीके से पानी ना पहुंचने की स्थिति में पुनः सुधार कार्य करके ग्रामीणों की प्यास बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।इस संबंध में ग्राम सरपंच का कहना है कि अभी उनके द्वारा इस योजना को अपने हेंडओवर नहीं लिया है।जब तक पूर्ण रूप से गांव के प्रत्येक घर में पानी नहीं पहुंच जाता तब तक संतुष्ट नहीं होंगे। वहीं पी एच ई विभाग के एस डी ओ एन के दुबे का कहना है कि इस योजना में पूर्व में 45.50 लाख की

लागत आंकी गई थी लेकिन बाद में दूरी के मान से ज्यादा खर्च हो जाने की स्थिति में इसका 85.64 लाख का प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है।ढाई किलोमीटर दूर से पानी तीन शिफ्टों में लाया जा रहा है। कहीं कहीं लीकेज की स्थिति को देखते हुए संबंधित ठेकेदार से उसे ठीक करवाया जा रहा है। फिल्हाल एक सौ परिवारों तक पानी पहुंचने लगा है।

पानी के नाम पर करोड़ों बह गये पानी की तरह

आदिवासी ग्राम ढिलवार स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले डेलनशाह नरवरशाह की कर्मभूमि रही है। और स्वतंत्रता आंदोलन में शहादत भी दी है। यहां पर जमीनी जल स्तर काफी कम होने की दिशा में जगह जगह तालाब भी खोदे गए लेकिन विभिन्न योजनाओं के तहत निर्माण ऐजेंसियों ने केवल बंदरबांट करके करोड़ों रुपए का ही चूना लगाया। यहां तक कि गुणवत्ता के साथ किये गये भ्रष्टाचार की कलई खुलने के बाबजूद भी आज तक जांचें अपने उचित मुकाम तक नहीं पहुंच पाई। बड़ी मछलियां छोटी मछलियों को बचाते हुए मंत्रालयों तक अपनी पहुंच का फायदा उठाकर ले गई। और तालाब अपने अस्तित्व की लड़ाई में जमी ढोज हो गये।

108 जोड़ों का विवाह 10 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । नरसिंहपुर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन जन की आस्था और श्रद्धा के केंद्र दादा दूल्हा देव महाराज के आशीर्वाद से मंदिर ट्रस्ट समिति डोकरघाट द्वारा 108 जोड़ो के विवाह करने हेतु आयोजन किया जा रहा है। पावन दिवस अक्षय तृतीया 10 मई को प्रातः शुभ मुहूर्त में 10 बजे से 30 अप्रैल तक पंजीकृत 108 जोड़ी दूल्हा दुल्हन का सनातन हिंदू पद्धति से गायत्री परिवार द्वारा सामूहिक विवाह संपन्न कराया जाएगा।इस हेतु व्यापक तैयारिया समिति एवं सहयोगी संगठनों सहित दादा के भक्त परिवारों द्वारा की जा रही है। व्यवस्थाओ के सुचारू संचालन हेतु 6 मई शाम 5 बजे दादा महाराज मंदिर में बैठक आयोजित की गई है।

मारपीट करने वाले आरोपी को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भारत सिंह रघुवंशी के न्यायालय द्वारा आरोपी रोशन सिंह राजपूत, आत्मज रतिराम राजपूत, उम्र 50 वर्ष, निवासी-देवनगर, थाना मुंगवानी, जिला नरसिंहपुर को भारतीय दंड संहिता की धारा 294 में 15 दिवस का सश्रम कारावास एवं 500/- का अर्थदंड, धारा-324 में 06 माह का सश्रम कारावास एवं 500/-रुपए का अर्थदंड से दंडित किया गया है।